

ମୋହାମ୍ବଦ ନାମ ଯତଇ ଯପି ତତ ମଧୁର ଲାଗେ
ନାମେ ଏତ ମଧୁ ଥାକେ କେ ଜାନିତ ଆଗେ ॥

ଏ ନାମେରି ମଧୁ ଚାହି ମନ ଭୋମରା ବେଡ଼ାଯ ଗାହି
ଆମାର କୁଧା ତୃଷ୍ଣା ନାହି ଏ ନାମେର ଅନୁରାଗେ ॥

ଓ ନାମ ପ୍ରାଗେର ପ୍ରିୟତମ ଓ ନାମ ଜପି ମଜନୁ ସମ
ଏ ନାମେ ପାପିଯା ଗାହେ ପ୍ରାଗେର କୁସୁମ ବାଗେ ।
ଆମି ଏ ନାମେ ମୁସାଫିର ରାହି
ତାହି ଚାହି ନା ବେହେଶତ ଶାହାନଶାହି
ନିତ୍ୟ ଓ ନାମ ଯ୍ୟା ଇଲାହି ଯେନ ହଦେ ଜାଗେ ॥

ଏଇଚ.ଏମ.ଡି. ଏନ. ୧୭୧୧ ॥ ଶିଳ୍ପୀ : ମହଃ କାଶେମ ॥ ତାଳ : କାହାରୁବା

II {-ା ପଗା ଗା । ଦା ଦା ପା -ା । ପା -ା ପା -ଦା । -ପା -ା ମଗା ମା ।
୦ ୦ ମୋ ହା ମ୍ ମଦ୍ ନା ମ୍ ଯ ୦ ତୋ ୦ ୦ ୦ ଜୋ ପି

I {-ା ଧା ଧା । -ା ଗା ର୍ସା -ା । ଧା -ଗା -ଧଗା -ପା । -ଗଦାଦପା -ମପା -ା ।
୦ ୦ ତ ତ ୦ ମ ଧୁ ର୍ ୩୦ ୦୦ ୦୦ ୦ ୦୦ ଗେ୦ ୦୦ ୦

I (-ା ଗା ଗା । -ଦା -ଦା ପଦା -ଗଦା । -ା -ା ପା ପା । -ଦପାମଗା ମା -ା) } I
୦ ୦ ମୋ ହା ମ୍ ମଦ୍ ନା୦ ୦୦ ମ୍ ୦ ଯ ତ ୦୦ ଜୋ ପି ୦

[ପା -ା ଦପା -ା]

I {-ା ଗା ଗା । -ଦା ଦା ଦା -ପା । ପା ପାୟ -ଦୟ -ପା । ମଗା ମା -ା -ା ।
୦ ୦ ନା ମେ ୦ ଏ ତ ୦ ମ ଧୁ ୦ ୦ ଥା୦ କେ ୦ ୦

I -ା -ଧା ଧା । -ା ଗା ର୍ସର୍ସା -ା । ଧା -ଗା -ଧା -ଗା । -ପା -ଗଦାଦପା -ମପା } II
୦ ୦ କେ ଜା ୦ ନି ତ୦୦ ୦ ଆ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ଗେ୦ ୦୦

II {- - मा पा | - गा गा - I - - सी सी | - सी सी - I
० ० ए ना ० मे रि ० ० ० म धु ० च हि ०

I - - गणा गा | - सी सी - I {सी - गर्सी-रसी | "सीः-गः दा पा} I
० ० मन् अ ० म रा ० वे ० डॉ००० ०० य गा हि

I - - गा गा | - गा गा -धा I पा - पा -दा | पमा मा - -मा I
० ० आ मा रु कु धा ० त्रु गा ० नां हि ० ए

I - - पा धा | - गा सी - I धा -गा -पा -दा | "पप - मा - I
० ० ना मे रु अ नु ० रा ० ००० गें०० ए०

I - - पा धा | - गा सी - I धा -गा -धा -गा | दपा-मपा - - - II
० ० ना मे रु अ नु ० रा ० ०० गें००००

II - - मा पा | - गा गा -गा I - - सी सी | - सी सी - I
० ० ओ ना म् आ णे रु ० ०० खि य ० त म ०

I {- - गा गा | - सी सी -गा I गा -सी गर्सी-रसी | -गर्सी-गः दाः पः I
० ० ओ ना म् ज पि ० म ज नु००० ०००० स म

I (- - मा पा | - गा गा - I - सी -री गर्सी | -रज्जी - री सी) I
० ० ओ ना म् आ णे रु ० खि० य०००० त म

I - - सर्जी ज्ञा | -री री री -सी I सी -गा गा -दा | "पा - मा - I
० ० ए० ना ० मे पा ० खि० या० गा० हे०

I {- - धा धा | - गा सर्वसी - I धा गा धा -गा | "ददा - (पा -) I - पा II
० ० आ णे रु कु सु म् वा००० गें०० मो रु००

III -া মা-পা | -া গা-গা-া | সী-া সী-া | সী সী সী-া I
০ ০ এ-না ০ মে মু ০ সা ০ ফি ০ র় রা হী ০

[মা]

I {-া জ্ঞ-া | জ্ঞাঃ-র্জঃ-ব্ধা-গা I সী-রী সৰী-গৰ্মা | -া গা মাঃ I
০ ০ চা ই না ০ ০ তখ ত শা ০ হা ০ ০ ন ০ শা হী

I (-জঃ-া জ্ঞ-জ্ঞা | -র্বাঃ-সঃ ব্ধা গা I সী-রী সৰী-জ্ঞা | -া রী সী-া) I
০ ০ এ-না ০ ০ ০ মে মু সা ০ ফি ০ ০ র় রা হী ০

I -া জ্ঞ জ্ঞা | -রী সী-া-গা I গা দা দা-পা | পা-া মা-া I
০ ০ নি ত্য ০ ও না ম ই য়া ই ০ লা ০ হী ০

I -া ধা ধা | -া গা সী-া I -া গধা গা | দ্বা-া পমা-পা I
০ ০ যে ন ০ হ্ব দে ০ ০ ০ জা ০ ০ ০ গে ০ মো র

I -া ধা ধা | -া গা সী-া I ধা-গা-দা-া | দা-পা-মা-পা I
০ ০ যে ন ০ হ্ব দে ০ জা ০ ০ ০ গো ০ ০ ০

I -া জ্ঞ জ্ঞা | -রী সী সী-া I গা দা দা-পা | পা-া মা-া I
০ ০ নি ত্য ০ ও না ম ই য়া ই ০ লা ০ হী ০

I -া ধা ধা | -া গা সী-া I ধা-গা-ধা-গা | পগা-দা পমা-পা I
০ ০ যে ন ০ হ্ব দে ০ জা ০ ০ ০ গে ০ মো ০ র

I -া ধা ধা | -া গা সী-া I ধা-গা-ধা-গা | দপা-য়পা-া-া II II
০ ০ যে ন ০ হ্ব দে ০ জা ০ ০ ০ গে ০ ০ ০ ০